Literacy for a Billion

Movie: Aaya Saawan Zoom Ke
Year: 1969

Song: Ye Shaam Mastani
Lyricist: Anand Bakshi

ए हे उूँ हूँ ...

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

दूर रहती है तू
मेरे पास आती नहीं
होंठों पे तेरे
कभी प्यास आती नहीं

ऐसा लगे जैसे के तू
हँसके ज़हर कोई पीए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए
बात जब मैं करूँ

मुझे रोक देती है क्यों
तेरी मीठी नज़र
मुझे टोक देती है क्यों

तेरी हया तेरी शरम
तेरी क़सम मेरे होंठ सीए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

एक रूठी हुई
तक़दीर जैसे कोई
ख़ामोश ऐसे है तू
तस्वीर जैसे कोई

तेरी नज़र बनके जुबाँ
लेकिन तेरे पैग़ाम दिए जाए

ये शाम मस्तानी
मदहोश किए जाए
मुझे डोर कोई खींचे
तेरी ओर लिए जाए

Disclaimer: PlanetRead does not own these lyrics and is not using them for any commercial purpose. For over 20 years, PlanetRead has been subtitling Bollywood songs for mass literacy. These lyrics are being offered as part of PlanetRead's literacy development initiative.

PlanetRead is a tax-exempt, not-for-profit: 501(c) (3) in the United States and 80(G) in India.